Diversities of India

- भारत बहुत विशाल एवं विस्तृत देश है।
- भारत देश में जितनी भौतिक, मानवीय, सामाजिक - सांस्कृतिक विविधता पाई जाती है, विश्व के किसी देश में इस प्रकार की विविधता नहीं देखने को मिलती है।
- भौतिक रचना कि अगर हम बात करें तो, भारत में स्थलाकृतिक विभिन्नता, जलवायु संबंधी विविधता, वनस्पति, मृदा, जीव –जंतु, खनिज हमें विविधता देखने को मिलती हैं।
- स्थलाकृतिक विभिन्नता देखने पर पता चलता है कि जहां उत्तरी भाग में हिमालय जैसे महान पर्वत स्थित है वहीं दक्षिणी भारत में लावा के पठार स्थित है इन दोनों विस्तृत विभागों के बीच में नदियों का विशाल मैदान अवस्थित है पश्चिम में मरुस्थलीय भूमि थार देखने को मिलती है।

- भारत का इतिहास बताता है कि यहां पर प्राचीन चट्टानों से लेकर नवीनतम चट्टानी तक पाई जाती है।
- आक्रियन एवं प्रीकैंब्रियन युग की चट्टाने यहां पर मिलती है, दूसरी ओर क्वार्टरनरी युग की नवीनतम चट्टाने पाई जाती है।
- भूतत्व विशेषताओं के आधार पर भारत के तीन स्पष्ट वृद्ध भाग हैं वृहद भाग ,हैं जिनमें प्रायद्वीपीय भारत- जो प्राचीनतम चट्टानों से बना है, गोंडवाना लैंड का ही भाग है ।जबकि हिमालय पर्वत तथा संबंधित मोडदार पर्वत श्रेणियां तृतीय एवं चतुर्थ युग की है जो नवीनतम भाग है तथा पर्वत श्रेणियों के अपरदन से बना सिंधु गंगा का वृहद मैदान सबसे नवीनतम भाग है।

- भारत में अगर वनस्पति के वितरण को देखा जाए तो पाएंगे की, हिमालय पर शंकुधारी वन, मैदानी भागों में पतझड़ प्रकार के वन तथा मरुस्थली क्षेत्रों में कांटेदार वनस्पति पाई जाती है।
- दक्षिणी भारत में ज्वालामुखी चट्टानों से बनी काली मिट्टीया , ग्रेनाइट ,नीस तथा शिष्ट चट्टानों से बनी लाल व पीली मिट्टी तथा लेटराइट मिट्टी पाई जाती है। उत्तरी विशाल मैदान में पर्वतों के अपरदन से बनी नवीन उपजाऊ कांप मृदा पाई जाती है जबकि पश्चिमी भारत में मरुस्थलीय मृदा पाई जाती है।

- भारत शीतोष्ण एवं उपोष्ण कटिबंध में स्थित है। अतः जलवायु संबंधी विविधता देखने को मिलती है। उत्तरी हिमालय भाग में शीतोष्ण प्रकार की जलवायु मिलती है, जबकि दक्षिण भारत में उपोषण प्रकार की जलवायु पाई जाती है ।उत्तरी भारत में मानसूनी जलवायु के कारण ऋतु में देखने को मिलती है।तटीय प्रदेशों में समुद्री प्रकार की जलवायु जबकि स्थल से गिरे भागों में महाद्वीपीय प्रकार की जलवायु पाई जाती है।

- भारत में विभिन्न प्रकार के खनिज पाए जाते हैं ।
- दक्षिण भारतीय प्रायद्वीपीय भाग के प्राचीन चट्टानों से बने होने के कारण वहां पर विभिन्न प्रकार के खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- अनुमानित भारत में लगभग 100 से अधिक प्रकार के खनिज पाए जाते हैं, जिनमें से 30 प्रकार के खनिज उत्पादन ,मात्रा एवं मूल्य की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण है।अवसादी चट्टानों में पाए जाने वाले कोयला, पेट्रोलियम, अभ्रक खनिज उल्लेखनीय है। जबकि आग्नेय चट्टानों में पाए जाने वाले विभिन्न धात्विक खनिज एवं रूपांतरित चट्टान में पाए जाने वाले संगमरमर जैसे खनिजों बहुतायत से मिलते हैं ।

- भौतिक विभिन्नता के साथ-साथ मानवीय विभिन्नता भी भारत में देखने को मिलती है।
- भारत एक गणतांत्रिक देश है ,भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश है जो भारत में प्रशासनिक विभाजन को दर्शाते हैं।
- जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है, जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है ।सबसे छोटे क्षेत्रफल वाला राज्य गोवा है एवं सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम हैं।
- भारत में कई प्रकार की बोलियां एवं भाषाएं बोली जाती है एवं विभिन्न प्रकार की लिपियों का प्रयोग किया जाता है यह भारत की सांस्कृतिक विभिन्नता को दर्शाती है।

- भारत में विभिन्न प्रकार के धर्म एवं जातियों के लोग निवास करते हैं। भारत में विभिन्न प्रकार के तीज त्योहारों को उल्लास के साथ मनाया जाता है।
- भारत में विभिन्न प्रकार से कृषि की जाती है देश के किसी कोने में परंपरागत तरीके से कृषि होती है वही किसी दूसरे भाग में आधुनिक रूप को अपनाया जाता है जलवायु एवं मृदा की विभिन्नता के कारण देश में विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन होता है जिनमें खाद्यान फ़सले फसलों से लेकर मुद्रा दायिनी फसलों फसलों का उत्पादन होता हैं।
- इसी प्रकार खनिजों की विभिन्नता के कारण भारत में विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित हुए हैं। कुटीर उद्योगों से लेकर वृहद उद्योग की स्थापना भारत में हुई है।

धन्यवाद